Madras. Some of the samples failed on account of high peroxide value These were sent for further testing at Central Food Laboratory, Calcutta. Of the total 13300 tonnes, 6600 tonnes have been released so far.

दालें, सरसों का तेल तथा वनस्पति घी के व्यापार के सरकारीकरण का प्रस्ताव

*93. श्री उग्रसेन : क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या दालो, सरसों के तेल, वनस्पति घी. आदि की सारे देश में कमी है और उनके मूल्यो मे वृद्धि होने के क्या कारण है ;

(ख) क्या सरकार का विचार दालों, सरसों के तेल और वनस्पति घी के व्यापार का सरकारीकरण करने का है , और

(ग) इस बात को सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए है कि रिफाईन्ड आयल और सरसों का शुद्ध तेल अलग अलग से बिके ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय मे राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार गोयल): (क) कमी का कारण यह है कि देश में दालों, सरसो के तेल और दूसरे खाने योग्य तेलों का उत्पादन मांग से कम हुआ है और सीधी खपत के लिए रेपसीड तेल तथा वनस्पति घी बनाने के लिए सोयाबीन और ताड़ के तेल के सिवाय इस कमी को आयात द्वारा पूरा करना संभव नही हो सका है ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) राज्य सरकारों से कहा गया है कि वे खाने योग्य तेलों मे मिलावट करने के मामलो के बारे में खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम के उपबंधो के अनुसार कारंवाई करे ।

Cases registered against smugglers under COFEPOSA

*94. SHRI S. R. REDDY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) how many cases have been registered against smugglers under COFEPOSA during this year; and

(b) what is the amount of foreign exchange involved in those cases?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): (a) The total number of detention orders issued under the provisions of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 during the current year (January to 5th November, 1977) by the Central Government and the various State Governments is 266.

(b) The total amount of foreign exchange involved in the above cases was worth Rs. 45.85 lakhs. In addition to this, contraband goods valued at Rs. 439 lakhs were seized in these cases.

बम्बई से ढाका जा रहे आपानी एयरलाइन्स के विमान का अपहरण

*95. श्री एस० एस० सोमानी :
श्री ओ० वी० अलगेशन :

क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जापानी अपहरणकर्ता बम्बई से एक जापानी विमान का अपहरण करके ढाका ले गए थे ;

(ख) यदि हां, तो क्या ऐसा प्रमाण है कि बम्बई हवाई अड्डे पर भारतीय सुरक्षा अधिकारियों ने विमान के यात्रियो की तलाशी लेने में असावधानी दिखाई ; और

(ग) भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार क्या उपाय कर रही है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक): (क) जी हां। *28 सितम्बर, 1977 को जापान एयरलाइंस* के एक विमान (उडान सं० जे०एल०–472) का बम्बई के सांताक्रूज हवाई अड्डे से रवाना होने के तुरंत बाद अपहरण कर लिया गया था ।

(ख) मामले की अभी जाच की जा रही है ।

(ग) ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए किए जाने वाले विशिष्ट उपायो को प्रकट करना लोकहित मे नही होगा । तथापि, अपहरण से सुरक्षा संबंधी ऐसे वर्तमान उपायों को पहले ही कड़ा कर दिया गया है, जैसे परिचालन क्षेत्रों के प्रवेश स्थलों का नियंत्रण, यात्रियो की शारीरिक तलाशी तथा उनके हाथ के सामान की छानबीन, बोर्डिंग कार्डो पर स्टैम्प लगाने मे अधिक सावधानी एवं चौगिर्दी परिसीमा (perimeters) की पर्याप्त सुरक्षा आदि ।

दुबाई स्थित तस्करो द्वारा आत्म-समर्पण करने का प्रस्ताव

***96. श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दुबाई में कुछ बड़े तस्करों ने भारत सरकार के समक्ष कुछ शर्तों के साथ आत्मसमर्पण करने और भविष्य में तस्करी न करने का प्रस्ताव किया है ;

(ख) यदि हां, तो उन तस्करों की क्या शर्तें हैं ; और

(ग) उन शर्तों के बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वित्त मंत्री (श्री एच० एम० पटेल): (क) और (ख). दुबाई में बसे कुछ तस्करो ने, विदेशी मुद्रा संरक्षण तथा तस्करी क्रिया-कलाप निवारण अधिनियम, 1974 के अन्तर्गत उनके विरुद्ध जारी किये गये नजरबंदी के आदेशो को उनके इस वचन के आधार पर वापस लेने का निवेदन किया है कि वे भविष्य मे प्रतिकूल कार्यकलापो मे भाग नही लेंगे और अदालत मे चलायी गयी इस्तगासे की कार्यवाही का सामना करेंगे ।

(ग) सरकार मामले की जांच कर रही है ।

Hijacking of Indian tea shipments

*97. SHRI D. G. GAWAI: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether Indian tea shipments worth an estimate of Rs. 1.50 crores have been virtually 'hijacked' at Aden and diverted to South Asia;